



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**

F.No.PRO/39

22<sup>nd</sup> March 2024

**Greetings from Central University of Gujarat**

**परिभाषाओं से परे साहित्यकार 'रामदरश मिश्र'**

**- सीयूजी में 'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर 21 और 22 मार्च 2024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन**

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की ओर से 'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर 21 और 22 मार्च 2024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बीज वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने कहा कि रामदरश मिश्र जीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त उदाहरण हैं। सदी के सबसे बड़े रचनाकारों में उनकी गिनती होती है। उनका साहित्यिक जीवन सभी परिभाषाओं को छोटा कर देना वाला है। उन्होंने बाढ़ की विभीषिका का जिक्र अपनी रचनाओं में किया है। विनाश के बाद के जीवन पर भी उन्होंने लिखा है। मिश्र ने मां के साहस और उम्मीदों की बात कही। अपनी आत्मकथाओं, डायरी लेखन, संस्मरण, कहानी और उपन्यास के साथ ही गीत और गज़ल का भी लेखन किया। वह किसी धरा में सीमित कर देने वाले लेखक नहीं हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की तरह रामदरश मिश्र की कविताएं भी हुंकार भरती हैं। उन्होंने रामदरश मिश्र के 7 दशक के साहित्यिक जीवन को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए पं. मदन मोहन मालवीय पर स्वरचित पंक्तियों से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र उन कवियों में हैं जिन्होंने आजादी के पहले और बाद में समाज के बदलावों को देखा और रचनाएं लिखीं। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि रामदरश मिश्र की पुत्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर स्मिता मिश्र ने कहा कि पिताजी लोकधर्मी चरित्र के धनी हैं। उन्होंने कहा कि पिताजी के साहित्य रचना में माताजी का भी योगदान रहा है। संगोष्ठी का



एक कदम स्वच्छता की ओर

**सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-**

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**



150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**

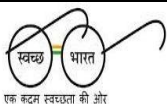
स्वागत उद्बोधन सीयूजी के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव दुबे ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र ने संवेदनाओं को सृजित करने का कार्य किया है। वर्तमान पीढ़ी को उनसे सीखने की आवश्यकता है। संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संयोजक डॉ. गजेन्द्र मीणा ने कहा कि मिश्र ने समाज में चेतना जागृत करने का कार्य किया है। उनका लेखन शाश्वत है। सीयूजी के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. बालाजी रंगनाथन ने कहा कि रामदरश मिश्र ने अपनी रचनाओं से सामाजिक समस्याओं के निराकरण का कार्य किया है। केंद्रीय हिंदी संस्थान, अहमदाबाद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने आभार व्यक्त किया। डॉ. प्रेमलता देवी ने मंच संचालन किया।

## **रामदरश मिश्र का ऑनलाइन संवाद**

इस दो दिवसीय संगोष्ठी के पहले दिन रामदरश मिश्र से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओम निश्चल का संवाद हुआ जिसका लाइव प्रसारण किया गया। इस परिचर्चा का संयोजन प्रो. संजीव दुबे ने किया। संगोष्ठी में सत्र क्रमशः रामदरश मिश्र की कविताएं, कहानियां, उपन्यास और रामदरश मिश्र का कथेतर गद्य विषयों पर चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों की अध्यक्षता देश के विभिन्न हिस्सों से आए हिंदी के विद्वानों ने की। संयोजक डॉ. मीणा ने बताया कि संगोष्ठी में देशभर से अनेक विद्वान, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल रहें।

## **Ramdarash Mishra's Literary Work Defies Definition**

- A two-day national conference titled "Ramdarash Mishra: Presence of Story and Poetry Centenary" was jointly organized by the Hindi Department of Central University of Gujarat and the Central Institute of Hindi, Agra, on 21st and 22nd March 2024, in Gandhinagar.



एक मूल्य स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**



150  
YEARS OF  
CELEBRATING  
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

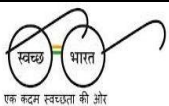
**By Speed Post/By Email/By Hand**

**Gandhinagar.** The Hindi Department of Central University of Gujarat and the Central Institute of Hindi, Agra, jointly organized a two-day national conference titled 'Ramdarash Mishra: Presence of Story and Poetry Centenary' on 21st and 22nd March 2024. In the inaugural session of the conference, Prof. Vashisth Anoop, Head of the Hindi Department at Banaras Hindu University, stated that Ramdarash Mishra is a living and vibrant example of history. He is counted among the greatest writers of the century. His literary life surpasses all definitions. He has mentioned the catastrophe of floods in his writings. He has also written about life after destruction. Mishra spoke of the courage and hopes of mothers. In addition to his autobiographies, diary writing, memoirs, stories, and novels, he has also written songs and ghazals. He is not a writer confined to any one genre. The Vice-Chancellor, Prof. Ramas Shanker Dubey, who presided over the conference, said that like the national poet Ramdhari Singh 'Dinkar', Ramdarash Mishra's poems also inspire vigor. He described Ramdarash Mishra's literary life of seven decades as inspiring. On this occasion, he addressed the youth by highlighting the importance of Hindi through self-composed lines dedicated to Pt. Madan Mohan Malviya. He said that Ramdarash Mishra is among those poets who witnessed and wrote about the changes in society before and after independence.

The Chief Guest of the conference, Prof. Smita Mishra, daughter of Ramdarash Mishra and Professor at Delhi University, said that her father is rich in folk character. She said that her mother also contributed to her father's literary work. The welcome address for the conference was given by Prof. Sanjeev Kumar Dubey, Head of the Hindi Department at the university. He said that Ramdarash Mishra has done the work of creating emotions. The present generation needs to learn from him. While presenting the introductory remarks of the conference, Convener, Dr. Gajendra Meena said that Mishra has worked to awaken consciousness in society. His writing is eternal. Prof. Balaji Ranganathan, Dean, School of Language, Literature, and Culture Studies at the university, said that Ramdarash Mishra has worked to eradicate social problems through his writings. Dr. Sunil Kumar, Regional Director of the Central Institute of Hindi, Ahmedabad, expressed gratitude. Dr. Premlata Devi moderated the conference.

## Online Discussion with Ramdarash Mishra

On the first day of this two-day conference, senior litterateur Dr. Om Nishchal had a live discussion with Ramdarash Mishra. The coordination of this discussion was done by Prof. Sanjeev Kumar



एक कदम स्वच्छता की ओर

**सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-**

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**



150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**

Dubey. In the conference, sessions were held on Ramdarash Mishra's poems, stories, novels, and the subject of Ramdarash Mishra's narrative prose. The sessions were chaired by Hindi scholars from various parts of the country. Convener, Dr. Meena said that the conference saw the participation of scholars, researchers, and students from across the country.

**परिभाषाओधी पर साहित्यकार 'रामदर्श मिश्रा'**

**- 21 અને 22 માર્ચ 2024 ના રોજ CUG માં 'રામદર્શ મિશ્ર: કથા અને કવિતાની શતાબ્દી ઉપસ્થિતિ' વિષય પર બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું.**

**ગાંધીનગર.** સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના હિન્દી વિભાગ અને કેન્દ્રીય હિન્દી સંસ્થાન, આગરા દ્વારા 21 અને 22 માર્ચ 2024ના રોજ 'રામદર્શ મિશ્ર: કથા અને કવિતાની શતાબ્દી ઉપસ્થિતિ' વિષય પર 21 અને 22 માર્ચ 2024ના રોજ બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. . કાર્યક્રમના ઉદ્ઘાટન સત્રના મુખ્ય વક્તા બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીના હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો.વશિષ્ઠ અનૂપે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર જીવંત અને જીવિત ઇતિહાસનું શક્તિશાળી ઉદાહરણ છે. તેમની ગણતરી સદીના મહાન સર્જકોમાં થાય છે. તેમનું સાહિત્યિક જીવન તમામ પરિભાષાઓને અવગણે છે. તેમણે તેમની રચનાઓમાં પૂરની ભયાનકતાનો ઉલ્લેખ કર્યો છે. તેમણે વિનાશ પછીના જીવન પર પણ લખ્યું છે. મિશ્ર એ તેમની માતાની હિમત અને આશાઓ વિશે વાત કરી છે. તેમની આત્મકથાઓ, ડાયરીઓ, સંસ્મરણો, વાર્તાઓ અને નવલકથાઓની સાથે તેમણે ગીતો અને ગઝલ પણ લખી હતી. તેઓ કોઈ પણ ક્ષેત્રમાં સીમિત રહેવાના લેખક નથી. કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાને યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દૂબેએ કહ્યું કે રાષ્ટ્રીય કવિ રામદારી સિંહ 'દિનકર'ની જેમ રામદર્શ મિશ્રની કવિતાઓ પણ હુંકાર કરે છે. તેમણે રામદર્શ મિશ્રના સાત દાયકાના સાહિત્યિક જીવનને પ્રેરણાદાયી ગણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે, હિન્દીના મહત્વને રેખાંકિત કરતા, તેમણે પં. મદન મોહન માલવીય પર સ્વ-લિખિત પંક્તિઓ દ્વારા યુવાનોને સંબોધિત કર્યાં. તેમણે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર એવા કવિઓમાંના એક છે જેમણે આઝાદી પહેલા અને પછી સમાજમાં આવેલા ફેરફારોને નિહાળ્યા અને રચનાઓ લખી. સેમિનારના મુખ્ય અતિથિ રામદર્શ મિશ્રની પુત્રી અને દિલ્હી યુનિવર્સિટીના પ્રોફેસર સ્મિતા મિશ્રએ જણાવ્યું હતું કે પિતા પરોપકારી પાત્રથી સમૃદ્ધ છે. તેમણે કહ્યું કે પિતાના સાહિત્ય સર્જનમાં માતાનો પણ ફાળો છે. સેમિનારનું સ્વાગત પ્રવચન CUG હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો. સંજીવ દૂબેએ પ્રસ્તુત કર્યું હતું. તેમણે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્રએ સંવેદનશીલતા પેદા કરવાનું કામ કર્યું છે. હાલની પેઢીએ તેમની પાસેથી શીખવાની જરૂર છે. સેમિનારનો પરિચય આપતાં કન્વીનર ડો.ગજેન્દ્ર મીણાએ જણાવ્યું હતું કે મિશ્રાએ સમાજમાં ચેતના જગાડવાનું કામ કર્યું છે. તેમના લખાણો શાશ્વત છે. CUG ના ભાષા સાહિત્ય અને સંસ્કૃતિ અધ્યયન સંસ્થાનના ડીન પ્રો. બાલાજી રંગનાથને કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર એ તેમના કાર્યો દ્વારા સામાજિક સમસ્યાઓનું નિરાકરણ લાવવાનું કામ કર્યું છે. અમદાવાદની સેન્ટ્રલ હિન્દી સંસ્થાના પ્રાદેશિક નિયામક ડો.સુનિલ કુમારે આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો. ડો.પ્રેમલતા દેવીએ મંચનું સંચાલન કર્યું હતું.



एक मूढ स्वप्न की ओ

**सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-**

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**



15 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા**  
**જનસંપર્ક અધિકારી**

**By Speed Post/By Email/By Hand**

**રામદર્શ મિશ્ર સાથે ઓનલાઈન સંવાદ**

આ બે દિવસીય સેમિનારના પ્રથમ દિવસે વરિષ્ઠ સાહિત્યકાર ડો. ઓમ નિશ્ચલની રામદર્શ મિશ્ર સાથે વાતચીત થઈ હતી જેનું જીવંત પ્રસારણ કરવામાં આવ્યું હતું. આ ચર્ચાનું સંકલન પ્રો. સંજીવ દૂબેએ કર્યું હતું. સેમિનારમાં અનુક્રમે રામદર્શ મિશ્રની કવિતાઓ, વાર્તાઓ, નવલકથાઓ અને રામદર્શ મિશ્રના નોન-ફિક્શન ગદ્ય વિષયો પર ચાર ટેકનિકલ સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ સત્રની અધ્યક્ષતા દેશના વિવિધ ભાગોમાંથી હિન્દી વિદ્વાનો દ્વારા કરવામાં આવી હતી. કન્વીનર ડો.ગજેન્દ્ર મીનાએ જણાવ્યું હતું કે સેમિનારમાં દેશભરમાંથી અનેક વિદ્વાનો, સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લીધો હતો.



एक कदम स्वच्छता की ओर

**સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-**

**07923977407, ફેક્સ-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**



150  
YEARS OF  
CELEBRATING  
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**



**सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-**

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**



With regards,  
Your Truly,

*Sunil sharma*

**Dr. Sunil Kumar Sharma**  
**Public Relations Officer**  
Central University of Gujarat,  
Sector-29, Gandhinagar,  
Gujarat, India-382030  
+918963840032  
Email Id – pro@cug.ac.in  
Web [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-  
**07923977407, फेक्स-07923260076**

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**







गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

# गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

**CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT**

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

**डॉ. सुनील कुमार शर्मा**  
**जनसंपर्क अधिकारी**

**By Speed Post/By Email/By Hand**

*Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.*



**सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-**

**07923977407, फेक्स-07923260076**

**Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076**

**Email: [pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), website: [www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)**

